VP SEPT-OCT 2016 FINAL:JULY-AUGUST 2014.qxd 9/28/2016 4:19 PM Page 20

अंतिम स्वतंत्र रेल बजट की खास बातें

इस वर्ष रेल मंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने 25 फरवरी, 2016 को संसद में वर्ष 2016-17 का रेल बजट पेश करते हुए रेलवे की उपलब्धियों, योजनाओं के निष्पादन और आगामी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की जानकारी दी।

श्री प्रभु ने कहा कि भारतीय रेल को देश की प्रगति और आर्थिक विकास की रीढ़ बनाना ही उनकी दृढ़ इच्छा है। उन्होंने 2020 तक आम आदमी की लंबे समय से चली आ रही आशाओं को पूर्ण करने की वचनबद्धता भी जताई।

श्री प्रभु ने चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय रेल के पुनर्गठन, पुनर्निर्माण एवं पुनरूद्धार के लिए 'चलो, मिलकर कुछ नया करें' का नारा दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए कार्यनीति के तीन स्तंभों- नव अर्जन, नव मानक, नव संरचना के आधार पर कार्य किया जाएगा।

बजट में बताया गया कि वर्ष 2015-16 के लिए आठ हजार 720 करोड़ रूपये की बचत होने से राजस्व की अधिकांश कमी को पूरा कर लिया जाएगा और 2016-17 के लिए परिचालन अनुपात का निर्धारित लक्ष्य 92 प्रतिशत रखा गया है।

7वें वेतन आयोग का तात्कालिक प्रभाव शामिल करने के बाद साधारण संचालन व्यय को 11.6 प्रतिशत तक सीमित रखना, डीजल और बिजली खपत में योजनाबद्ध कटौती, 1,84,820 करोड़ रुपये के राजस्व सृजन को निर्धारित करने का लक्ष्य है। रेलवे को और सुविधायुक्त बनाने के क्रम में रेल मंत्री ने कहा कि रेलों में 65,000 अतिरिक्त बर्थ और 2500 वैंडिग मशीनें उपलब्ध कराई जाएगीं। रेलवे ने विश्व का प्रथम बॉयो-वैक्यूम टॉयलेट विकसित किया है और रेलों में 17,000 बॉयो-टॉयलेट प्रदान किए जाएंगे।

रेलों के परिचालन में सुधार लाने के लिए गाजियाबाद से मुगलसराय तक परिचालन ऑडिट प्रारंभ किया जाएगा। रेलवे में संपूर्ण देश में मोबाइल ऐप के साथ-साथ 1,780 स्वचालित टिकिट मशीनें भी लाने का प्रस्ताव है।

रेल मंत्री ने कहा कि 400 और स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही 2020 तक आम आदमी की लंबे समय से चली आ रही आशा को पूरा करने के अंतर्गत गाड़ियों में आरक्षित एकोमोडेशन मांग पर उपलब्ध होना, मालगाड़ियों का समय-सारणी के अनुसार चलना, संरक्षा रिकॉर्ड में सुधार लाने के लिए अत्याधुनिक टैक्नोलॉजी, बिना चौकीदार वाले सभी रेलवे क्रॉसिंग को समाप्त करना, उन्नत समय-पालन, माल गाड़ियों की उच्चतर औसत गति, सेमी हाई स्पीड ट्रेनें जो स्वर्णिम चतुर्भुज पर चलें, मानव अपशिष्ट का जीरो डायरेक्ट डिस्चार्ज शामिल है।

रेल मंत्री ने कहा कि 2015-16 के लिए 139 बजट उद्घोषणाओं पर कार्रवाई प्रारंभ की गई है। 2015-16 के लिए जीवन बीमा निगम के जरिए सुनिश्चित वित्तपोषण, 2500 किलोमीटर बड़ी आमान लाइनों को चालू करना, 1600 किलोमीटर का विद्युतीकरण चालू करना, 2016-17 में 2800 किलोमीटर रेलपथ को चालू करने का लक्ष्य निर्धारण, बड़ी आमान लाइनों पर पिछले 6 वर्षों में लगभग 4.3 किमी प्रति दिन की औसत की तुलना में 7 किलोमीटर प्रति दिन की गति से चालू करने का लक्ष्य है। यह 2017-18 में लगभग 13 किलोमीटर प्रतिदिन और 2018-19 में 19

VP SEPT-OCT 2016 FINAL:JULY-AUGUST 2014.qxd 9/28/2016 4:19 PM Page 21

किलोमीटर प्रतिदिन तक बढ़ जाएगा। 2017-18 में लगभग 9 करोड़ श्रम दिवस के रोजगार सृजन, 2016-17 में रेलवे विद्युतीकरण के लिए परिव्यय लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। इसे 2000 किलोमीटर तक विद्युतीकृत करने का लक्ष्य है।

रेल मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक निजी भागीदारी सहित नवीन वित्तपोषण के जरिए उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम और पूर्व तट माल गलियारों को प्रारंभ करने का भी प्रस्ताव है।

रेलवे की बड़ी लाइनों एवं बंदरगाहों पर विशेष ध्यान

श्री प्रभु ने बताया कि टूना बंदरगाह शुरू कर दिया गया है और जयगढ़, दीघी, रेवास और पारादीप पोर्ट के लिए रेल संपर्क व्यवस्था की परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है। वर्ष 2016-17 में सार्वजनिक निजी भागीदारी के अंतर्गत नारगोल और हाजिरा पोर्ट के लिए रेल कनेक्टिविटी का कार्यान्वयन प्रारंभ होगा।

असम में बड़ी लाइन पर लमडिंग-सिलचर खंड खोल दिया गया है और इससे बराक घाटी देश के साथ जुड़ गई है, अगरतला भी बड़ी लाइन से जुड़ गया है। कटखल-भैराबी और अरुणाचल-जीरीबाम की ब्रॉड गेज परिवर्तन परियोजनाएं जल्दी ही खोल दिए जाने पर मिजोरम और मणिपुर राज्य भी देश में बड़ी लाइन से जुड़ जाएंगे।

रेल मंत्री ने कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क परियोजना का कटरा-बनिहाल खंड का कार्य संतोषजनक ढंग से प्रगति कर रहा है, कुल 95 किलोमीटर में से, 35 किलोमीटर सुरंग का कार्य पूरा हो गया है, जालंधर-जम्मू लाइन में भीड़-भाड़ कम करने का कार्य पूरी तेजी से चल रहा है और मार्च, 2016 तक दो पुलों का दोहरीकरण का कार्य पूरा कर उन्हें चालू कर दिया जाएगा, जबकि अन्य दो पुलों को 2016-17 तक पूरा कर लिया जाएगा।

रेलवे में मेक इन इंडिया

श्री प्रभु ने कहा कि मेक इन इंडिया के तहत दो लोको फैक्टरियों के लिए नीलामी को अंतिम रूप दे दिया गया है। ट्रेन सैट की मौजूदा खरीद को 30 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। रेलवे में पारदर्शिता के लिए वर्ष 2015-16 में ऑनलाइन भर्ती शुरू की गई है, अब सभी पदों के लिए इस प्रक्रिया को अपनाया जाता है। सोशल मीडिया को पारदर्शिता लाने में उपकरण के रूप में प्रयोग किया गया है।

रेलवे में आंतरिक ऑडिट

रेल मंत्री ने कहा कि आंतरिक ऑडिट उपायों के अंतर्गत कमियों का पता लगाने और नुकसान को रोकने के लिए कुछ क्षेत्रों में रेल परिचालन की जांच का कार्य विशेषज्ञता टीमों को सौंपने का प्रस्ताव है। साझेदारी- राज्य सरकारों के साथ संयुक्त उद्यम के लिए मंत्रिमंडल के अनुमोदन, 17 ने सहमति प्रदान कर दी है और राज्य सरकारों के साथ 6 समझौते पत्र ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बजट दस्तावेजों में 44 नई साझेदारियों के कार्यों का उललेख किया गया है, जिसमें लगभग 5,300 किमी कवर होगा और जो 92,714 करोड़ रुपए मूल्य की हैं।

रेलवे और सोशल मीडिया

रेल मंत्री ने कहा कि ग्राहक इंटरफेस के तहत सोशल मीडिया और समर्पित आईवीआरएस सिस्टम के माध्यम से संवाद और फीडबैक प्राप्त किया जाता

इस बार

1. यात्री किराए में कोई वृद्धि नहीं।
2. 65,000 अतिरिक्त बर्थ और 17,000 बॉयो टॉयलेट लगाए जाएंगे।
3. 2020 तक का है रेलवे को और बेहतर करने का लक्ष्य।
4. 2015-16 के रेल बजट के 139 बजट उद्घोषणाओं का हो रहा कार्यपालन।
5. रेलवे की बड़ी लाइनों एवं बंदरगाहों पर है विशेष ध्यान।
6. रेलवे में मेक इन इंडिया।
7. रेलवे के आंतरिक ऑडिट उपाय।
8. रेलवे और सोशल मीडिया।
9. ई-टिकटिंग प्रणाली की क्षमता को बढ़ाया जाएगा।
10. रेल में सुधार के लिए उठाए गए मुख्य कदम।
11. हेल्पलाइन 139 सेवा।
12. क्लीन माई कोच सेवा।
13. रेल में खाने की सेवा।
14. बच्चों, बुजुर्ग एवं दिव्यांग यात्रियों की सुविधा।
15. रेलवे और मोबाइल क्रांति।
16. रेल कराएगी धार्मिक स्थानों के दर्शन।
17. पोर्टर हो गए सहायक।
18. जापान देगी हाई स्पीड रेल।
19. एफएम रेडियो स्टेशनों वाला रेलवे।
20. उपनगरीय यातायात सुविधा फिर होगी शुरू।
21. पीपीपी माध्यम से विकसित होंगे वेयरहाउस।
23. रेलवे पर्यटक सर्किट ट्रेनें भी चलेंगी।

है। उन्होंने कहा कि टिकटिंग के अंतर्गत 1,780 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनें लगाना, यूटीएस एवं पीआरएस टिकटों की कैशलेस खरीद के लिए मोबाइल एप और गो इंडिया स्मार्ट कार्ड, ई-टिकटिंग सिस्टम की क्षमता को 2000 टिकट प्रति मिनट से बढ़ाकर 7,200 टिकट प्रति मिनट करना हमारा लक्ष्य है। अब एक ही समय पर 1,20,000 उपयोगकर्ता इसका उपयोग कर सकते हैं जबकि पहले केवल 40,000 ही ऐसा कर सकते थे।

श्री प्रभु ने कहा कि सामाजिक पहल के तहत ऑनलाइन टिकट बुक करते समय रियायत पाने के लिए एक बारगी पंजीकरण, दिव्यांगों के लिए व्हील चेयरों की ऑनलाइन बुकिंग और ब्रेल सुविधा से युक्त नए सवारी डिब्बों का प्रावधान करना, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए निचली बर्थों का कोटा बढ़ाना, महिलाओं के लिए सवारी डिब्बों में मिडल बे को आरक्षित करना भी रेलवे का लक्ष्य है।

रेल मंत्री ने अन्य प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि ऊर्जा के अंतर्गत आगामी वित्त वर्ष में ही अर्थात निर्धारित समय से एक वर्ष पहले 3,000 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत प्राप्त कर ली जाएगी। यह बचत डीम्ड डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी के रूप में भारतीय रेल की स्थिति का उपयोग कर प्रतिस्पर्धी दरों पर सीधे बिजली खरीदने के कारण होगी।

रेल में सुधार के लिए उठाये गए मुख्य कदम

रेल मंत्री ने बताया कि यात्रा की गुणवत्ता में सुधार करने के साथ-साथ अनारक्षित यात्रियों के लिए भी निम्न कदम उठाए जाने है-

1. अंत्योदय एक्सप्रेस अनारक्षित, सुपरफास्ट सेवा।

2. दीन दयाल सवारी डिब्बे- पेयजल और बड़ी संख्या में मोबाइल चार्जिंग के प्वाइंटों वाले अनारक्षित सवारी डिब्बे।

आरक्षित यात्रियों के लिए कुछ अतिरिक्त सुविधाएं

1. हमसफ़र- पूर्णत: वातानुकूलित 3एसी सेवा जिसमें भोजन के विकल्प की सेवा मौजूद हो।

2. तेजस- तेजस भारत में रेलगाड़ी यात्रा के भविष्य को दिखाएगी। 130 किलोमीटर प्रति घंटा और उससे अधिक गति पर चालित, ये जवाबदेही और उननत ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए एक सेवा प्रदाता के माध्यम से ऑनबोर्ड सेवाएं पेश करेगी जैसे

VP SEPT-OCT 2016 FINAL:JULY-AUGUST 2014.qxd 9/28/2016 4:19 PM Page 23

मनोरंजन, स्थानीय भोजन, वाई-फाई आदि।

3. टैरिफ और नॉन-टैरिफ उपायों के माध्यम से लागत की वसूली सुनिश्चित करने के लिए हमसफ़र और तेजस।

4. उदय- सबसे व्यस्त मार्गों पर रात्रिकालीन डबल डेकर, उत्कृष्ट डबल डेकर वातानुकुलित यात्री एक्सप्रेस जिससे वहन क्षमता के लगभग 40 प्रतिशत बढ़ाने की संभावना है।

हेल्पलाइन 139 सेवा

पत्रकारों के लिए रियायती पासों पर टिकटों की ई-टिकटों की सुविधा उपलब्ध, हेल्पलाइन 139 पर यात्रियों को पंजीकृत फोन नंबर पर भेजे गए 'वन टाइम पासवर्ड' का उपयोग करते हुए टिकट रद्द कराने की सुविधा, तत्काल काउंटरों को उत्तरोतर ढंग से सीसीटीवी के दायरे में लाना और पीआरएस वेबसाइट का आवधिक ऑडिट किया जाएगा।

क्लीन माई कोच सेवा

श्री प्रभु ने स्वच्छता की दिशा में एसएमएस के जरिए 'क्लीन माई कोच' सेवा, नियमित अंतराल पर तीसरी पार्टी ऑडिट और यात्रियों से फीडबैक के आधार पर ए1 और ए श्रेणी के स्टेशनों का रैंक निर्धारण करना, अपशिष्ट पृथकीकरण और पुनर्चक्रण केंद्र, 'जागरूकता अभियान, 30,000 अतिरिक्त जैव-शौचालय बनाने और उनके रखरखाव के लिए विज्ञापन अधिकार, सीएसआर, सामाजिक संगठनों की ओर से स्वैच्छिक सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव भी दिया। यह निश्चित रूप से बेहतर पहल है और इससे सभी लाभान्वित होंगे।

रेल में खाने की सेवा

रेल मंत्री ने बताया कि स्टेशनों पर खानपान और स्टॉल सुविधा के अंतर्गत चरणबद्ध आधार पर आईआरसीटीसी को खानपान सेवाओं का प्रबंध, खानपान सेवाओं को वैकल्पिक बनाने की संभावना का पता लगाना, आईआरसीटीसी द्वारा परिचालित 10 अन्य बेस किचन की व्यवस्था, स्थानीय स्वामित्व के लिए जिला निवासियों को स्टेशनों पर वाणिज्यिक लाइसेंस देना प्राथमिकता में शामिल है।

दिव्यांग यात्रियों की सुविधा

रेल मंत्री ने कहा कि रेल मित्र सेवा के अंतर्गत स्टेशनों पर वृद्धों और दिव्यांग यात्रियों की सहायता के लिए कोंकण रेलवे में सारथी सेवा का विस्तार, मौजूदा सेवाओं को सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा दिव्यांगों के लिए उपायों के तहत पुन: विकसित किए जा रहे सभी स्टेशनों को इस प्रकार से तैयार किया जा रहा है कि इनका दिव्यांगों द्वारा सुगमतापूर्वक इस्तेमाल किया जा सके। यही नहीं, यात्रियों के लिए यात्रा बीमा के अंतर्गत रेल यात्राओं की बुकिंग के समय ही वैकल्पिक यात्रा बीमा उपलब्ध कराना भी प्रस्तावित है। विश्रामालयों की घंटे के आधार पर बुकिंग सुविधा का कार्यभार आईआरसीटीसी को सौंपा जाएगा।

रेलवे और मोबाइल क्रांति

रेल मंत्री ने जानकारी दी कि मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकट संबंधी सभी कार्य करने और शिकायतों के निवारण करने और सुझाव प्राप्त करने के लिए दो मोबाइल ऐप में सभी सुविधाएं एकीकृत करना शामिल है।

श्री प्रभु ने बताया कि ग्राहक इंटर फेस में सुधार लाने के तहत ग्राहकों से सीधे संपर्क में आने वाले रेल कर्मचारियों तथा उन कर्मचारियों, जिन्हें हम सेवा प्रदाताओं के माध्यम से नियुक्त करते हैं, को कार्यकुशल बनाया जाएगा। गाड़ियों में सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे जिनमें गाड़ियों में उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं का उल्लेख होगा और यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के बारे में सही समय की सूचना प्रदान करने के लिए सवारी डिब्बों के भीतर जीपीएस आधारित डिजिटल डिस्पले बोर्ड भी लगाए जाएंगे।

2000 स्टेशनों पर रेल डिस्पले नेटवर्क नामक 20,000 स्क्रीन वाले एक अत्याधुनिक केंद्रीकृत नेटवर्क स्थापित करने का कार्य जारी है। इससे यात्रियों को सही समय सूचना उपलब्ध कराई जा सकेगी और बड़े पैमाने पर विज्ञापन की पर्याप्त संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

धार्मिक स्थानों के दर्शन

रेल मंत्री ने कहा कि धार्मिक महत्व के केंद्रों पर यात्रियों की सुविधाओं की व्यवस्था और स्टेशनों का सौंदर्यीकरण प्राथमिकता के आधार पर शुरू करने का प्रस्ताव है। इनमें अजमेर, अमृतसर, बिहारशरीफ, चेंगनूर, द्वारका, गया, हरिद्वार, मथुरा, नागपट्टनम, नांदेड़, नासिक, पाली, पारसनाथ, पुरी, तिरूपति, वेलंकन्नी, वाराणसी और वास्को शहर शामिल हैं।

पीपीपी माध्यम से विकसित होंगे वेयरहाउस

श्री प्रभु ने कहा कि पीपीपी माध्यम से रेल साइड लॉजिस्टिक पार्कों और वेयरहाउसों को विकसित करने का प्रस्ताव है। ट्रांसलोक द्वारा कम से कम 10 माल शेड विकसित किए जाएंगे। शीघ्र ही चेन्नई में भारत के पहले रेल ऑटो हब का उद्घाटन होगा। माल यातायात टर्मिनलों के निकट खाली भूमि पर कोल्ड स्टोरेज की सुविधाओं के विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। ■